Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

SAS-24-II

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

P

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **P**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/ marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **P**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

SAS-24-II

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

P

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **P** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :

   भागः IV : भाषा I - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*

   भागः V : भाषा II - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. **IV** भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा Language-I** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

PART-IV

LANGUAGE-I

SANSKRIT

> अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा (Language-I)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यं पठित्वा प्रश्नानां (91-99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

उच्यते खलु 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'। सत्यमिदम् । विना शरीर-स्वास्थ्यं किमपि शुभं कर्म न भवितुमर्हति। शरीरेणैव सर्वाणि शुभानि कार्याणि साधयितुं शक्यन्ते। शरीरस्य स्वास्थ्यायाधोलिखिताः नियमाः अवश्यं पालनीयाः -

सर्वतः प्रथमं स्वस्थेन मनुष्येण ब्राह्मे मुहूर्ते उत्थातव्यम्। नियमितरूपेण दन्तधावनेन कूर्चिकया वा दन्तशुद्धिः कर्त्तव्या। प्रत्येकं दन्तं क्रमशः निर्मलं कृत्वा जलेन मुखं धावनीयम्। एवं मुखस्य सर्वं मलमपनीयते मुखरोगाश्च न भवन्ति।

शीतलेन जलेन वदनप्रक्षालनं नेत्रयोश्च शुद्धिः हितकरी भवति। ततः सर्वस्मिन् शरीरे तैलमर्दनं विधेयम्। तैलमर्दनेन अङ्गानि बलिष्ठानि जायन्ते सौन्दर्यं च वर्धते। पुनः व्यायामः कर्त्तव्यः। व्यायामेन सम्यक् रक्तसञ्चारः, पेशीनां पुष्टिः, क्षुधावृद्धिः, शरीरे च स्फूर्तिः जायते।

व्यायामानन्तरं किञ्चित्कालं स्थित्वा स्नानमपि विधेयम्। स्नानं प्रायः शीतलेन वारिणा कर्त्तव्यम्; परन्तु शिथिले शरीरे कदुष्णेन वारिणा स्नानं हितकरं भवति। स्नानं कृत्वा स्वच्छान्येव वस्त्राणि धारणीयानि, न तु मलिनानि। मलिनवस्त्राणां धारणमेतादृशमेव भवति यथा स्नात्वा पङ्कलेपः कृतः स्यात्।

स्वास्थ्यरक्षार्थं स्वाहारेऽपि ध्यानं देयम्। यः यथासमयं भक्षयति, परिमितं च, सः कदापि जठररोगेण पीडितो न भवति । भोजनं सात्त्विकं, शुद्धं, पुष्टिकरं च स्यात् तच्च शान्तमनसा भोक्तव्यम्।

यथा स्वच्छता, व्यायामः, भोजनं च स्वास्थाय उपयुक्तानि, तथैव विश्रामस्यापि महत्त्वमस्ति। ऋते विश्रामात् कश्चिदपि स्वस्थः स्थातुं न शक्नोति। विश्रामेण श्रमोऽपनीयते, तस्मात् विश्रामः स्वास्थ्याय परमावश्यकः। ये परीक्षा-दिनेषु निरन्तरं पठन्ति, न च विश्राम्यन्ति, ते विक्षिप्ताः जायन्ते, सर्वं पठितं च विस्मरन्ति। एवं च रुग्णीभूय परीक्षायामप्यनुत्तीर्णाः जायन्ते। तस्माद्विश्रामस्यापि महत्यावश्यकता वर्त्तते।

आलस्यं विश्रामस्य पर्यायो नास्ति। आलस्यं तु कर्मण्यनिच्छा भवति, विश्रामश्च कर्मणः करणाय नवशक्त्याः अर्जन-साधनम् भवति। तस्मान्मनुष्येणालसेन न भाव्यम्, परमावश्यको विश्रामः कर्त्तव्यः।

91. 'श्रमोऽपनीयते'-इत्यस्मिन् पदे कः सन्धिः वर्तते ?

(1) यण्सन्धिः (2) स्वरसन्धिः (3) विसर्गसन्धिः (4) हल्सन्धिः

92. स्वस्थेन मनुष्येण कदा उत्थातव्यम् ?

(1) ब्राह्मे मुहूर्ते (2) मध्यरात्र्याम् (3) सायंकाले (4) अपरान्हकाले

93. कर्मण्यनिच्छा-इत्यस्मिन् पदे सम्यक् सन्धिविच्छेदः चिनुत।

(1) कर्म+ण्यनिच्छा (2) कर्मण्य+निच्छा (3) कर्मण्+यनिच्छा (4) कर्मणि+अनिच्छा

94. तैलमर्दनानन्तरं किं कर्तव्यम् ?

(1) नृत्यम् (2) स्नानम् (3) व्यायामः (4) भोजनम्

95. कः कदापि जठररोगेण पीडितो न भवति ?

(1) यः मित्रैः सह वार्तालापं करोति (2) यः सर्वदा मिष्ठान्नं खादति

(3) यः नियमितरूपेण उद्याने भ्रमति (4) यः यथासमयं परिमितं च भक्षयति

96. व्यायामेन अस्माकं शरीरे किं न भवति ?

(1) रक्तसञ्चारः (2) क्षुधावृद्धिः (3) स्फूर्तिः (4) आलस्यम्

97. स्नानं प्रायः केन कर्तव्यम् ?

(1) शीतलेन वारिणा (2) मधुना (3) दुग्धेन (4) तैलेन

98. अधोलिखितेषु किं तुमुन् प्रत्ययान्तं पदं नास्ति ?

(1) साधयितुम् (2) भवितुम् (3) स्थातुम् (4) विक्षिप्ता:

99. भोजनं कीदृशं न भवितव्यम् ?

(1) पुष्टिकरम् (2) सात्विकम् (3) गरिष्ठम् (4) शुद्धम्

अधोलिखितान् पद्यान् पठित्वा प्रश्नानां (100-105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यम्,
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेत: प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिम्,
सत्सङ्गति: कथय किं न करोति पुंसाम्॥1॥
सर्पा: पिबन्ति पवनं न च दुर्बलास्ते,
शुष्कै: तृणै: वनगजा: बलिन: भवन्ति।
कन्दै: फलै: मुनिवरा: क्षपयन्ति कालम्,
सन्तोष एव पुरुषस्य परं निधानम्॥2॥
परिवर्तिनि संसारे मृत: को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंश: समुन्नतिम्॥3॥
मृग-मीन-सज्जनानां तृण-जल-सन्तोष विहत वृत्तीनाम्।
लुब्धक-धीवर-पिशुना निष्कारणवैरिणो जगति॥4॥
वैरिणा नहि संदध्यात् सुश्लिष्टेनापि सन्धिना।
सुतप्तमपि पानीयं शमयत्येव पावकम्॥5॥

100. शीतलम्-इत्यस्य पदस्य विपरीतार्थकं पदं पद्येषु किम् ?

(1) सुतप्तम् (2) जातम् (3) कीर्तिम् (4) उन्नतिम्

101. सत्सङ्गति: पुंसां किं कार्यं न करोति ?

(1) धियो जाड्यं हरति (2) वाचि सत्यं सिञ्चति
(3) मानोन्नतिं दिशति (4) दुष्कर्मणि नियोजयति

102. अस्मिन् संसारे को जन: जात: मन्यते ?

(1) य: काव्यरचनायां सफलो भवति (2) य: सम्यक्रूपेण विद्यां प्राप्नोति
(3) य: स्ववंशं समुन्नतिं नयति (4) य: सर्वासु कलासु निपुणो भवति

103. वनगजा: केन बलिन: भवन्ति ?

(1) पवनेन (2) कन्दमूलै: (3) शुष्कै: तृणै: (4) पुष्पै:

104. पुरुषस्य परं निधानं किं भवति ?

(1) धनम् (2) व्यसनम् (3) भौतिकसाधनानि (4) सन्तोष:

105. जगति मीनस्य निष्कारणवैरी को भवति ?

(1) सर्प: (2) मनुष्य: (3) मगर: (4) धीवर:

106. एका अध्यापिका माध्यमिकस्तरस्य छात्रेभ्य: एकं पाठं/ लघुकथां ददाति । सा तान् शक्ते: न्यायस्य च दृष्टिकोणेन पाठस्य अर्थस्य विचाराणांच पठनाय चर्चायै च कथयति । अध्यापिका छात्रेषु कस्य विकासं कर्तुं प्रयतते ?

(1) उच्चतरक्रमभाषाकुशलता: (Higher Order Language Skills)
(2) समालोचनात्मकसाक्षरताकुशलता: (Critical Literacy Skills)
(3) समालोचनात्मकशिक्षाशास्त्रम् (Critical Pedagogy)
(4) समालोचनात्मकभाषाविकास: (Critical Language Development)

107. अन्तर्भाषिकं अभिज्ञानं किं वर्तते ?
(1) छात्रस्य अवबोध: यत् अनेक भाषाणां अधिगमाय अनेकारनां कुशलतानां आवश्यकता वर्तते
(2) छात्रस्य निर्णय: यत् देशीयभाषायां किञ्चित् एवं लक्ष्यभाषायां किञ्चित् साम्यता अस्ति
(3) छात्रस्य निर्णय: यत् देशीयभाषायां किञ्चित् लक्ष्यभाषायां च किञ्चित् भिन्नता अस्ति
(4) छात्रस्य निर्णय: यत् देशीयभाषाया: ज्ञानम् द्वितीयभाषाया: शिक्षणे व्यवधानं वर्तते

108. एका भाषाध्यापिका आङ्गलभाषया एकां कथाम् कथयति । तदा सा छात्रान् वर्गे कार्यं कर्तुं तै: ज्ञातभाषया कथाकथनाय निर्दिशति। तदनन्तरं तान् कक्षाया: सामान्यभाषया तां कथां कथयितुं निर्दिशति। इयं शिक्षाशास्त्रपद्धति: कथ्यते।
(1) भाषाधिग्रहणम् (Language Aquisition)
(2) अन्तर्भाषिकता (Translanguaging)
(3) बहुभाषिकनीति: (Multilingual Policy)
(4) बहुभाषाशिक्षणम् (Multilanguage Teaching)

109. सप्त कक्षाया: एका अध्यापिका एकस्या: युग्मकार्यगतिविधे: आयोजनं करोति यस्मिन् एका दशवाक्यात्मकथा युग्मेभ्य: दत्ता। युग्मे एक: छात्र: प्रथमवाक्यं पठति अन्य: च तद्वाक्यं लिखति। तदनन्तरं अन्य: छात्र: द्वितीयं वाक्यं पठति, युग्मे प्रथमश्च द्वितीयवाक्यं लिखति। अनेन विधिना युग्मा: सम्पूर्णकथां पूर्णीकुर्वन्ति। अनन्तरं ते स्वलेखनस्य तुलना तेभ्य: दत्तेन मूलपाठेन सह कुर्वन्ति। अयं गतिविधि: कथ्यते :
(1) पारस्परिकश्रुतलेखनम्
(2) पारस्परिकलेखनम्
(3) पारस्परिकश्रवणम्
(4) वाक्यश्रुतलेखनम्

110. एक: छात्र: विशिष्टसूचनार्थं समाचारपत्रं समग्ररूपेण पठति। एतत् पठनं कथ्यते :
(1) अध्ययनकौशलम् (Study Skill)
(2) समालोचनात्मक पठनं (Critical Reading)
(3) द्रुतपठनम् (Skimming)
(4) क्रमवीक्षणम् (Scanning)

111. अध्ययन-अध्यापन व्याकरणे प्रक्रियात्मकज्ञानं किं भवति ?
(1) भाषाया:, अस्या: संस्कृते: च ज्ञानम्
(2) व्याकरणात्मकविषयस्य कार्यविधे: ज्ञानम्
(3) व्याकरणात्मकविषयानां ज्ञानम्
(4) व्याकरणात्मकविषयानां नियमानां ज्ञानम्

112. श्रेया षष्ठकक्षाया: एका अध्यापिका अस्ति या स्वपितु: स्थानान्तरणात् पञ्जाबप्रान्ते जालन्धरत: तमिलनाडुराज्ये मदुरैनगरं गच्छति। सा स्वमातृभाषारूपेण पञ्जाबीभाषां एवं विद्यालये द्वितीयभाषारूपेण पठितां आङ्ग्लभाषां जानाति। सा स्वप्रतिवेशात् शिक्षणेन तमिलभाषां पठितुं वक्तुं च समर्था अस्ति। तया ज्ञातभाषातारितं अधोलिखितेषु किं कथनं सत्यम् अस्ति ?
(1) तस्या: आङ्ग्लभाषा भाषाधिग्रहणे, पञ्जाबी तमिल च भाषाशिक्षायै स्त:
(2) तस्या: पञ्जाबीतमिलभाषे भाषाधिग्रहणे, आङ्ग्लभाषा च भाषाशिक्षायै अस्ति
(3) तस्या: तमिलभाषा भाषाधिग्रहणे, आङ्ग्लपञ्जाबीभाषे च भाषाशिक्षायै स्त:
(4) सर्वा तिस्र: भाषा:-पञ्जाबी, तमिल, आङ्ग्ल च भाषाशिक्षायै सन्ति

113. कोझिकोडक्षेत्रे एकेन विशिष्टसमुदायेन प्रयुक्ता मलयालमभाषा, तस्मिन्नैव स्थाने अन्यै: जनै: प्रयुक्ताया: मलयालमभाषाया: किंचित् भिन्ना वर्तते। विशिष्टसमुदायेन प्रयुक्ता मलयालम किं कथ्यते ?
(1) ते द्वे भिन्ने भाषे स्त:
(2) मलयालमभाषाया: द्वौ प्रकारौ (Varieties)
(3) मलयालमभाषाया: क्षेत्रीया उपभाषा
(4) मलयालमभाषाया: सामाजिका उपभाषा

114. त्रिभाषासूत्रविषये अधोलिखितु किं सत्यम् अस्ति ?
- (1) मातृभाषा/गृहभाषा/प्रथमभाषारूपेण आङ्ग्लभाषा
- (2) मातृभाषा/गृहभाषा/प्रथमभाषारूपेण क्षेत्रीयभाषा
- (3) आङ्ग्लभाषा/हिन्दी गृहभाषा/प्रथमभाषा रूपेण स्थानीय भाषा
- (4) मातृभाषा/गृहभाषा/प्रथमभाषारूपेण हिन्दीभाषा

115. छात्रेभ्यः विभिन्नसमूहेषु अधोलिखितं अधिगम कार्यं दत्तम्। अयं शब्दावलिगतिविधिः कथ्यते : अधोलिखितैः शब्दैः सम्बद्धाः शब्दाः सूक्तयः च ज्ञायन्ताम्

(परिवारः) (सम्बन्धः) (भावना)

- (1) शब्दजालम् (Word Web)
- (2) विषयात्मकशब्दावलिः (Thematic Vocabulary)
- (3) शब्दसमूहाः (Word Clusters)
- (4) समूहशब्दावलिः (Cluster Vocabulary)

116. अध्यापनस्य एकः विधिः यस्मिन् एकः अध्यापकः चतुर्छात्रैः सह एकस्य संयुक्तशिक्षणवर्गस्य निर्माणं करोति। अस्मिन् वर्गे विविधाः भूमिकाः वर्तन्ते। पाठगद्यांशस्य प्रतिपाद्यविषये परिचर्चा भवति, येन सन्निहितविकासस्य क्षेत्रः उद्भवति यस्मिन् पठनावबोधः श्रेयस्तरः भवति। अयं विधिः मन्यते :
- (1) आदर्शपठनम् (Model Reading)
- (2) व्याकरणनुवादविधिः
- (3) अन्योन्याध्यापनम् (Reciprocal Teaching)
- (4) संरचनात्मकोपागमः (Structural Approach)

117. यस्याः भाषायाः वयं प्रतिदिनं संमुखाय अन्योन्यव्यवहाराय प्रयोगं कुर्मः, एता कथ्यते :
- (1) अन्तर्व्यक्तिगतं भाषाप्रावीण्यम्
- (2) संज्ञानात्मकशैक्षणिकं भाषाप्रावीण्यम् (CALP)
- (3) मूल-अन्तर्व्यक्तिगताः सम्प्रेषणकुशलताः (BICS)
- (4) सम्प्रेषणात्मकभाषाकुशलताः

118. उपचारात्मकाध्यापनं (Remedial Teaching) कस्यै वर्तते ?
- (1) भाषापत्रपरीक्षायां अङ्कप्राप्तिवृद्धये छात्रेभ्यः अध्यापकेभ्यः च
- (2) तेभ्यः छात्रेभ्यः ये भाषाशिक्षणस्य केषुचित् विशिष्ट विषयेषु अवधानम् अपेक्षन्ते
- (3) तेभ्यः शिक्षकेभ्यः ये भाषाशिक्षणे तेषां अध्यापने संशोधनम् अपेक्षन्ते
- (4) छात्रेभ्यः अध्यापकेभ्यः च यैः तेषाम् अध्ययनं/अध्यापने उपागमेषु अवबोधः/संशोधनम् करणीयम्

119. सङ्केतभाषाविषये अधोलिखितं किं सत्यं न अस्ति ?
- (1) सङ्केतभाषायाः व्याकरणं वर्तते
- (2) सङ्केतभाषायाः अनेके प्रकाराः भवन्ति
- (3) सङ्केतभाषा एका प्राकृतिकभाषा अस्ति
- (4) सङ्केतभाषायाः व्याकरणं न वर्तते

120. अधोलिखितेषु किं विस्तृतपठनस्य उद्देश्यः न अस्ति ?
- (1) आनन्दाय पठनम्
- (2) मूल्यांकनाय पठनम्
- (3) बहिर्वेशनाय पठनम् (Reading for Extrapolation)
- (4) व्याकरणाधिगमाय पठनम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 121-150**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only. →

PART-V
LANGUAGE-II
SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 121-150**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (121-128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

सामाजिक-सञ्चार-माध्यमम् आधुनिक-युगस्य एतादृशं माध्यमम् अस्ति, येन वयम् अखिलविश्वे केनापि सह कुत्रापि सम्पर्कं साधयितुं समर्थाः भवेम। अन्तर्जालस्य प्रयोगं विना एतन्न सम्भवति। अद्यत्वे अन्तर्जालस्य कृपया 'गूगल-फेसबुक-व्हाट्सएप' इत्यादीनि अनेकानि उपकरणानि उपलब्धानि सन्ति। अधुना तु एतानि सर्वाणि उपकरणानि चल-दूरभाषन्त्रेऽपि विद्यमानानि सन्ति।

गूगलादि उपकरणानां प्रयोगेन वयं कस्मिन्नपि विषये सर्वं ज्ञातुं शक्नुमः। अस्मिन् शब्दकोशानां, नवीन-शोध-कार्याणां सूचनानां च भण्डारः वर्तते। अन्तर्जालस्य सहायतया वयं स्थानात् स्थानं धनान्तरणं कुर्याम। समाचाराणां सन्देशानां च आदानं प्रदानं च कुर्मः। गृहादेव कार्यालयस्य कार्याणि सम्पादयामः। विपणिं गन्तुं विना वस्तूनि क्रीणामः विक्रीणामः च।

अद्यत्वे तु एतादृशी स्थितिरस्ति यत् अन्तर्जालस्य उपयोगं विना वयं किमपि कार्यं कर्तुं सक्षमाः न स्मः। कालान्तरे निःसंशयः वयं सर्वे अस्मिन्नेव निर्भराः भविष्यामः। एतस्य ज्ञानं विना गतिर्न भविष्यति। परन्तु एतेषां उपकरणानां प्रयोगेण वयं निष्क्रियाः भवामः। अल्पमपि ज्ञानाय वयं कदापि स्वबुद्धेः प्रयोगः न कुर्मः, अपितु गूगलशरणं गच्छामः। परिवारजनैः सह अपि फेसबुक व्हाट्सएप च इत्याभ्यां माध्यमाभ्यां वार्तालापं कुर्मः। परस्पर-सम्बन्धानाम् अद्य तु किमपि महत्त्वं नास्ति।

एतेषां उपकरणानां सततप्रयोगेण नेत्रदोषाः जायन्ते, पृष्ठे पीडा भवति, स्मृतेः ह्रासः दृश्यते, कार्येषु एकाग्रता नश्यति, सम्प्रेषणक्षमतायाः विकासः अवरुध्यते आत्मसम्मानं च क्षरति।

यथा अन्येषां वस्तूनां प्रयोगेण लाभाः हानयश्च भवन्ति, तथैव सामाजिक-सञ्चार-माध्यमस्य प्रयोगेण अपि भवन्ति। अतएव अस्माभिः अस्य सदुपयोगाः ग्रहणीयाः दुरुपयोगाः च हातव्याः।

121. अन्तर्जालस्य उपकरणानां प्रयोगेन कः दोषः न जायते ?

(1) स्मृतेः ह्रासः (2) पृष्ठे पीडा
(3) नेत्रदोषः (4) क्रिकेटक्रीडायां निपुणता

122. 'गूगल-फेसबुक' इत्यादीनि उपकरणानि कस्मिन् उपलब्धानि भवन्ति ?

(1) क्षेत्रे (2) उद्याने (3) चिकित्सालये (4) चल-दूरभाषयन्त्रे

123. अद्यतने अल्पमपि ज्ञानाय वयं कस्य प्रयोगः न कुर्मः ?

(1) भोजनस्य (2) स्वबुद्धेः (3) पत्रस्य (4) नृत्यस्य

124. 'सक्रियाः' - इत्यस्य पदस्य विपरीतार्थकं पदं गद्यांशे किं अस्ति ?

(1) निष्क्रियाः (2) ग्रहणीयाः (3) सदुपयोगाः (4) स्वबुद्धेः

125. 'कालान्तरे वयं सर्वे अस्मिन्नेव __________ भविष्यामः' अस्मिन् वाक्ये रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) क्रोधिताः (2) प्रसन्नाः (3) क्षुब्धाः (4) निर्भराः

126. 'सम्प्रेषणक्षमतायाः'-इत्यस्मिन् पदे कः समासः वर्तते ?

(1) द्विगुः समासः (2) षष्ठीतत्पुरुष समासः

(3) बहुव्रीहिः समासः (4) कर्मधारयः समासः

127. 'हातव्याः' - इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः वर्तते ?

(1) शतृ (2) क्तवतु (3) तव्यत् (4) क्त्वा

128. कुत्र गन्तुं विना वयं वस्तूनि क्रीणामः ?

(1) अरण्यम् (2) विद्यालयम् (3) आपणम् (4) विपणिम्

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत -

उपवने विचरणं कुर्वन् राजकुमारः एकेन विषधरेण दष्टः अभूत्। अचेतनं तं तस्य सहचराः राज्ञे निवेदितवन्तः। सम्पूर्णे राजपरिवारे शोकः आच्छन्नः। एकमात्रं सः एव राज्ञः प्रियतमः उत्तराधिकारी आसीत्। राजवैद्याः तस्य चिकित्सां अकुर्वन्। किन्तु सफलता नैव मिलिता। राजज्योतिषिणा तस्य दीर्घायुष्यं जन्मपत्रतः दृष्ट्वा एकः उपायः कथितः यत् यदि काचित् सती साध्वी स्त्री राजकुमारं दष्ट-स्थाने स्पृशेत् तर्हि अयं स्वस्थः भवेत्। राज्ञः अनेकपत्न्यः आसन्। राजकुमारस्य जननी अपि तासु एका आसीत्। सा प्रथमं ततः च क्रमशः सर्वाः अपि राज्ञ्यः राजकुमारं स्पृष्टवत्यः। किन्तु राजकुमारस्य चेतना नैव आयाता। अनेन राज्ञीनाम् असतीत्वम् अपि प्रकटितम् अभूत्। पुरस्कार-लोभेन राज्यस्य अन्याभिः अपि महिलाभिः चेष्टा कृता। किन्तु ताः अपि विफलाः एव अतिष्ठन्। अन्ते तेन एव राजज्योतिषिणा राजा निवेदितः यत् अधुना एव राज्य-सीमायाम् एका युवतिः स्वस्य पत्या सह प्रविष्टा अस्ति। कदाचित् सा कार्यं साधयेत्। राजा एकाकी एव ताम् आनेतुं निर्गतः। ताम् उपेत्य सः अनुनयं विनयं कृत्वा राजभवनम् आनीतवान्। तस्याः स्पर्शमात्रेण राजकुमारः तत्क्षणम् एव सुप्तोत्थितः इव जागरितः। सर्वेषां हर्षेण मुख-कमलानि विकसितानि अजायन्त। विरक्तः राजा स्वीयं राज्यार्धं ताभ्यां दम्पतिभ्याम्, अवशिष्टं च आत्मजाय समर्प्य तपः तप्तुं वनं प्रस्थितः इति।

129. अधोलिखितयोः तालिकयोः सम्यक् सम्मेलनं कुरुत-

(क)	(ख)
(अ) उपवनम्	(अ) चिकित्सा
(ब) राजवैद्याः	(ब) तपः
(स) राज्ञः	(स) विचरणम्
(द) वनम्	(द) उत्तराधिकारी

(1) (अ)-(स), (ब)-(अ), (स)-(द), (द)-(ब)

(2) (अ)-(अ), (ब)-(ब), (स)-(स), (द)-(द)

(3) (अ)-(द), (ब)-(स), (स)-(अ), (द)-(ब)

(4) (अ)-(ब), (ब)-(स), (स)-(अ), (द)-(द)

130. अधोलिखितेषु पदेषु किं पदं अन्येभ्यः भिन्नं अस्ति ?

(1) विरक्तः (2) कथितः (3) प्रस्थितः (4) विफलाः

131. राजकुमारः केन कारणेन अचेतनः अभूत ?

(1) भूमौ पतनेन (2) विषधरस्य विषेण (3) पुष्पाणां परागेण (4) फलानां भक्षणेन

132. सीमायाम्-इत्यस्मिन् पदे का विभक्तिः किञ्च वचनम् अस्ति ?

(1) षष्ठी विभक्तिः, बहुवचनम् (2) द्वितीया विभक्तिः, एकवचनम्

(3) चतुर्थी विभक्तिः, द्विवचनम् (4) सप्तमी विभक्तिः, एकवचनम्

133. राजा आत्मजाय किं समर्प्य वनं प्रस्थितः ?

(1) भैषजम् (2) धनम् (3) स्वभवनम् (4) अवशिष्टं राज्यम्

134. 'सुप्तोत्थितः' - इत्यस्मिन् पदे सन्धिनिर्देशं कुरुत।

(1) अयादिसन्धिः (2) विसर्गसन्धिः (3) गुणसन्धिः (4) वृद्धिसन्धिः

135. राजकुमारं प्रथमं का स्त्री स्पृष्टवति ?

(1) राज्यसीमास्थिता युवतिः (2) राज्ञः पत्न्यः

(3) तस्य जननी (4) राज्यस्य अन्याः महिलाः

136. अधोलिखितासु प्रक्रियासु कस्याः प्रयोगः एकस्यां भाषायां सम्यक्लेखनशिक्षणाय क्रियते ?

(1) विचारोद्वोलनम्-बिन्दुनिर्धारणम्-रूपरेखानिर्माणम्-प्रारूपलेखनम्-सम्पादनम्-समापनम्

(2) विचारोद्वोलनम्-रूपरेखानिर्माणम्-प्रारूपलेखनम्-बिन्दुनिर्धारणम्-सम्पादनम्-समापनम्

(3) विचारोद्वोलनम्-बिन्दुनिर्धारणम्-प्रारूपलेखनम्-रूपरेखानिर्माणम्-सम्पादनम्-समापनम्

(4) विचारोद्वोलनम्-बिन्दुनिर्धारणम्-प्रारूपलेखनम्-सम्पादनम्-रूपरेखानिर्माणम्-समापनम्

137. त्रिभाषासूत्रविषये अधोलिखितेषु किं सत्यम् अस्ति ?

(1) सर्वे बालकाः मातृभाषया/गृहभाषया विद्यालयीयशिक्षां प्रारभन्ते। अनन्तरं उच्चविद्यालयस्य समाप्तिपर्यन्तं द्वे अन्ये भाषे शिक्षन्ते।

(2) सर्वे बालकाः अंग्रेजीमाध्यमेन/गृहभाषामाध्यमेन तेषां विद्यालयीयां शिक्षां प्रारभन्ते। अनन्तरं ते उच्चविद्यालयस्य समाप्तिपर्यन्तं द्वे अन्ये भाषे शिक्षन्ते।

(3) सर्वे बालकाः स्वराज्यभाषया विद्यालयीयशिक्षां प्रारभन्ते। अनन्तरं उच्चविद्यालयस्य समाप्तिपर्यन्तं द्वे अन्ये भाषे शिक्षन्ते।

(4) सर्वे बालकाः राजकीयभाषाहिन्दीमाध्यमेन विद्यालयीयशिक्षां प्रारभन्ते। अनन्तरं उच्चविद्यालयस्य समाप्तिपर्यन्तं द्वे अन्ये भाषे शिक्षन्ते।

138. ज्ञापकं ज्ञानं (Declarative knowledge) अस्ति :

(1) व्याकरणात्मकविषयं कथं कुर्यात्-अस्य ज्ञानम्

(2) एकस्याः भाषायाः शब्दोच्चारणस्य ज्ञानम्

(3) व्याकरणात्मकविषयानां ज्ञानम्

(4) व्याकरणात्मकविषये त्रुटेः अभिज्ञानं कथं भवेत्-अस्य ज्ञानम्

139. सामाजिक विज्ञानस्य एकस्याः कक्षायाः छात्राः कक्षीयव्याख्यानस्य मुख्यप्रतिपाद्यं अवगन्तुं प्रयतन्ते, तस्माच्च मुख्यबिन्दून् लिखन्ति। कुशलता इयं ज्ञायते।

(1) संज्ञानात्मककुशलता (2) अध्ययनकुशलता (3) श्रवणकुशलता (4) लेखनकुशलता

140. अधिगम-परिणामाः छात्रं समर्थीकर्तुं प्रयतन्ते ?

(1) माप्यनियमसहितं भाषारचकान् (Language Components) अधिग्रहीतुम्

(2) मापनयोग्यनियमसहितं व्याकरणात्मकज्ञानं अधिग्रहीतुं

(3) माप्यनियमसहितं योग्यत्वं ग्रहीतुं

(4) सर्वकौशलविषयकान् न्यूनतमस्तरान् अधिग्रहीतुम्

141. अष्टमकक्षायाः एकः अध्यापिका पञ्चवाक्ययुक्तं एकं पाठं आङ्ग्लभाषया द्विवारं पठति। सा स्वछात्रान् सावधानं पाठं श्रोतुं निर्दिशति। तदा सा तान् चतुर्छात्रयुक्तेषु वर्गेषु कार्यं कर्तुं कथयति यत् छात्रैः पठितपाठस्य सदृशपाठं पुनर्लेखनीयं, न तु तदैव पाठम्। अयं गतिविधिः कथ्यते :

(1) श्रवणकार्यम् (2) लेखनकार्यम् (3) गद्यांशश्रुतलेखः (4) सामूहिकश्रुतलेखः

142. एलमः सप्तकक्षायाः एकः छात्रः अस्ति यः चतुर्भाषाभिः सम्भाषते-कन्नड, मराठी, हिन्दी, आङ्ग्लभाषा च। यदा सः गृहे पितृभ्यां सह सम्भाषते तदा सर्वासां चतुर्भाषाणां प्रयोगः स्वच्छन्दतया करोति। विद्यालये सः हिन्दी-कन्नड-आङ्ग्लभाषानां च प्रयोगः करोति यतो हि तस्य मित्राणि अध्यापकाः च एताः भाषाः एव जानन्ति। इयं प्रवृत्तिः किं कथ्यते ?

(1) अन्तर्भाषा (Interlanguage)

(2) अन्तर्भाषिकसामर्थ्यम् (Translingual ability)

(3) कूटजालम् (Code-meshing)

(4) कूटस्थानान्तरणम् (Code-moving)

143. अधोलिखितेषु पद्धतिषु का भाषाध्ययनाय मौखिकाभ्यासं 'भाषायाः औपचारिकविशेषतासु नैपुण्यं' च अनिवार्यः मन्यते ?

(1) समग्रभौतिकप्रत्युत्तरः (Total Physical Response)

(2) श्रव्यभाषावादः (Audiolingualism)

(3) सम्प्रेषणात्मकभाषा शिक्षणम्

(4) व्याकरणानुवादपद्धतिः

144. षष्ठी कक्षायाः एका अध्यापिका शब्दावलिशिक्षणार्थं कक्षां चमसः (Spoon), पात्रम् (Plate), भाण्डानि (Utensils), सम्पुटकाः (Boxes), स्थालीम् (Pan) इत्यादीनि वस्तूनि आनीतवती। अस्य प्रयोजनं पाकशालायाः वस्तूनां वर्णनं लिखनम् अस्ति। भाषाशिक्षणे एतानि वस्तूनि केन रूपेण ज्ञायन्ते ?

(1) वास्तविकजीवन कार्याणि (Real life tasks)

(2) शिक्षणसामग्री

(3) शिक्षणसामग्रीरूपेण प्रयुक्तानि वस्तूनि (Realia)

(4) पाकवस्तूनि

145. भाषाशिक्षणविषये राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 इत्यस्मिन् किं सत्यं नास्ति ?

(1) त्रिभाषासूत्रान्तर्गतम् भाषारूपेण आङ्ग्लभाषाया: अध्ययनम्

(2) त्रिभाषासूत्रान्तर्गतम् एकस्या: शास्त्रीयभाषाया: अध्ययनम्

(3) त्रिभाषासूत्रान्तर्गतम् मातृभाषाया:/गृहभाषाया: अध्ययनम्

(4) त्रिभाषासूत्रान्तर्गतम् भारतीयभाषाणाम् अध्ययनम्

146. अयम् एक: प्रश्न: अस्ति। पठित्वा ज्ञायतां यत् प्रश्नानां कया श्रेव्या अस्य सम्बन्ध: अस्ति ?

लघुबालिकाया: कथां पठित्वा, भवान् तस्या: दु:खेन कष्टसम्मुखीभूत्वा च तस्या: साहसेन भावुकतां अनुभवति। भवान् लघुबालिकाया: प्रशंसार्थं ताम् एकं पत्रं लिखिष्यति। विंशत्यधिकशतशब्दयुक्तं एकं पत्रं लिखत।

(1) बहुविषय: प्रश्न: (Discursive question)

(2) अभिव्यक्तिपूर्णा: प्रश्ना: (Expressive questions)

(3) दीर्घ-उत्तर-प्रश्न: (Long answer question)

(4) बहिर्वेषित: प्रश्न: (Extrapolative question)

147. एकस्यां स्थित्यां छात्रान् विमर्शाधीनविषयस्य प्रतिकूलपरिप्रेक्ष्यम् (Opposite Perspective) दर्शितम् येन ते विषयं अधिकतरं अवबुध्यन्ते । एता प्रक्रिया छात्रेषु कस्य संवर्धनं करोति ?

(1) साक्षरताविकास:

(2) समालोचनात्मकसमीक्षा

(3) प्रक्रियाधारितशिक्षाशास्त्रम्

(4) समालोचनात्मकसाक्षरता

148. अन्तर्भाषिकता किं अस्ति ?

(1) इयं शिक्षायां भाषा (Language-in-education) नीति: अस्ति यतो हि विद्यालये कति भाषा: पाठनीया:

(2) भाषाणाम् अध्ययन-अध्यापने एकस्या: भाषाया: अन्यभाषां प्रति सरणम्

(3) अनेन ज्ञायते यत् कथं भाषा: कालान्तरे परिवर्तन्ते

(4) इयं एकस्यां कक्षायां साधनरूपेण अनेकभाषाणां प्रयोगस्य शिक्षाशास्त्रीय प्रक्रिया वर्तते

149. भाषाधिगमविषये अधोलिखितेषु कथनेषु किं सत्यम् अस्ति ?

(1) प्रथमभाषाधिगम: द्वितीयभाषाधिगम: च पूर्णरूपेण भिन्न:/विशिष्ट: भवति

(2) द्वितीयभाषाधिगमे देशीय/प्रथमभाषाया: ज्ञानं व्यवधानं भवति

(3) द्वितीयभाषाधिगमे देशीय/प्रथमभाषाया: ज्ञानस्य किमपि प्रयोजनं न वर्तते

(4) द्वितीयभाषाधिगमे देशीय/प्रथमभाषाया: ज्ञानं सहायकं भवति

150. अनेन शैक्षणिकभाषायां अथवा विविधपाठ्यविषयकभाषायां प्रावीण्यं (Proficiency) प्रति सङ्केत: क्रियते।

(1) संज्ञानात्मकशैक्षणिकं भाषाप्रावीण्यम् (CALP)

(2) अन्तर्भाषाप्रावीण्यम्

(3) मूल-अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण-प्रावीण्यम् (BICS)

(4) सम्प्रेषणात्मकभाषाप्रावीण्यम्

-o O o-

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।

2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।

3. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।

4. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।

5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।

6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।

7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।

8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।

9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।

10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।

11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।

12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।

13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।

14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।

15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***